भारत सरकार
रक्षा मंत्रालय
सैन्य कार्य विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 621
09 दिसम्बर, 2022 को उत्तर के लिए

रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी

621. **श्री एन. रेड्डप्प:**
श्री संजय काका पाटील:
सुश्री मिमी चक्रवर्ती:

क्या **रक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी की दर क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान भर्ती शिविरों और रैलियों के माध्यम से सेना में भर्ती की गई महिला उम्मीदवारों का वर्ष-वार और पद-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) रक्षा संस्थानों जैसे एनडीए, आईएमए और अन्य में महिला उम्मीदवारों के लिए संस्थान-वार कितने स्थान निर्धारित किए गए हैं;

(घ) थल सेना, नौसेना और वायु सेना में महिला उम्मीदवारों के लिए रिक्त पदों की संख्या कितनी है;

(ङ) क्या सरकार ने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई कदम उठाया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(च) क्या सरकार ने रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की कम भागीदारी के कारणों को समझने के लिए कोई अध्ययन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अजय भट्ट)

(क): सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की प्रतिशतता निम्नानुसार है:-

सेना (1 जुलाई, 2022 की स्थिति के अनुसार)	अधिकारी (एएमसी/एडीसी को छोड़कर)	3.97%

	अधिकारी (एएमसी/एडीसी)	21.25%
	एमएनएस अधिकारी	100%
	जेसीओ/ओआर	0.01%
नौसेना	अधिकारी	लगभग 6 %
वायु सेना (1 दिसंबर, 2022 की स्थिति के अनुसार)	अधिकारी (चिकित्सा और दंत चिकित्सा शाखा को छोड़कर)	13.69%

(ख)

(i) <u>अधिकारी</u>

वर्ष	**भर्ती (एएमसी, एडीसी और एमएनएस को छोड़कर)**	**चिकित्सा अधिकारी**		
		एएमसी	**एडीसी**	**एमएनएस**
2018	75	169	20	571
2019	80	102	34	180
2020	72	130	26	201
2021	75	51	05	205
2022	75	भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई		

(ii) <u>**जेसीओ/ओआर**</u>

भर्ती वर्ष	<u>**भर्ती**</u>
2019-20	100
2020-21	कोविड-19 के कारण भर्ती पर रोक लगा दी गयी
2021-22	
2022-23	100 (भर्ती प्रक्रिया पूरी नहीं हुई)

(ग)

संस्थान	**प्रतिवर्ष रिक्तियां (आज की तारीख में)**	**टिप्पणियां**
एनडीए	38 (सेना-20, नौसेना-06 और वायु सेना-12)	ये रिक्तियां निश्चित नहीं है और संबंधित सेनाओं की आवश्यकता पर आधारित
ओटीए	80	
आईएमए	20(एनडीए से सेना के कैडेट)	

एएफएमसी पुणे	30	हैं।
नर्सिंग कॉलेज (एमएनएस)	220	

(घ) भारतीय सेना में महिलाओं के लिए कोई पद रिक्त नहीं हैं। भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना में संस्वीकृत पदों के लिए महिला एवं पुरूषों के लिए समान हैं।

(ङ)

<u>सेना</u>

सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की कम्बैट एम्प्लोयमेंट फिलोसफी एक निरंतर परिवर्तित होने वाली प्रक्रिया है और भारतीय सेना द्वारा इसकी नियमित रूप से समीक्षा की जाती है । मौजूदा समय में सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाओं में डॉक्टरों और सैन्य नर्सों जिनमें केवल महिलाओं के लिए प्रवेश है, के अतिरिक्त भारत में सेना में महिलाओं को दस शाखाओं अर्थात इंजीनियर कोर, सिग्नल कोर, आर्मी एयर डिफेंस, सेना सेवा कोर, आर्मी आर्डनेंस कोर, इलेक्ट्रानिक्स और मकेनिकल इंजीनियर कोर, आर्मी एविएशन कोर, आसूचना कोर, जज एडवोकेट जनरल ब्रांच और सेना शिक्षा कोर में कमीशन दिया जाता है । एसएससी महिला अफसरों को स्थायी कमीशन देने, एनडीए में महिला कैडेटों की भर्ती, प्रोवोस्ट जेसीओ / ओआर के तौर पर भर्ती जैसे नए अवसर दिए जाते हैं ।

<u>नौसेना</u>

भारतीय नौसेना में अधिकारियों के तौर पर महिलाओं की भर्ती वर्ष 1991 में शुरू की गई थी । तब से भारतीय नौसेना ने एनडीए के माध्यम से भर्ती सहित धीरे-धीरे सभी शाखाओं में महिलाओं के लिए द्वार खोल दिए हैं । इसके अलावा, पहली बार वर्ष 2022 से लागू हुई अग्निपथ स्कीम के अंतर्गत नौसैनिकों की भर्ती के लिए भी महिलाओं की भर्ती की जा रही है और महिलाओं के लिए 20% रिक्तियां आरक्षित हैं।

<u>वायु सेना</u>

भारतीय वायु सेना में अधिकारियों की भर्ती लैंगिक भेदभाव रहित है । महिलाओं को भारतीय वायु सेना की सभी शाखाओं और स्ट्रीम्स में शामिल किया जाता है । भारतीय वायु सेना सेवा में करियर के लिए अवसरों को प्रिंट / इलेक्ट्रानिक मीडिया और विशेष प्रचार अभियानों के माध्यम से विस्तृत रूप से प्रकाशित किया जाता है । जुलाई, 2017 से आगे फ्लाइंग एसएससी (महिला) के लिए एनसीसी विशेष भर्ती के माध्यम से भी शुरूआत की गई है । भारतीय वायु सेना द्वारा सभी कम्बैट भूमिकाओं में महिला अधिकारियों की भर्ती के लिए वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रायोगिक स्कीम को अब एक स्थायी स्कीम में विनियमित कर दिया गया है । इस प्रकार के लैंगिक भेदभाव रहित दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप भारतीय वायु सेना की महिला आफिसरों को निर्बाध रूप से सभी युद्धक भूमिकाओं में रोजगार प्राप्त होने की सुविधा प्राप्त हो रही है।

(च) महिलाओं की कम भागीदारी के बारे में कोई अध्ययन नहीं किया गया है क्योंकि सशस्त्र सेनाओं में महिलाओं की भर्ती में लगातार बढ़ोतरी हो रही है ।

****